राजस्थान पत्रिका

पत्रिका Tue, 18 July 2017
epaper.patrika.com//c/20628888

वैज्ञानिक कार्य पर मिले

कृषि विवि को 3 राष्ट्रीय पुरस्कार

पत्रिका
न्यूज पंच

कोटा. भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने कृषि विश्वविद्यालय, कोटा को तीन राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किए। यह पुरस्कार विवि को कृषि क्षेत्र में अभिनव प्रयोग के लिए मिले हैं। विगत दिनों नई दिल्ली में हुए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के समारोह में केन्द्रीय कृषि व किसान कल्याण मंत्री राधामोहन सिंह ने विश्वविद्यालय के कुलपति जीएल केशवा व कृषि विज्ञान केंद्र के परियोजना समन्वयक महेंद्र सिंह को यह पुरस्कार सौंपे।

नई दिल्ली में आयोजित समारोह में पुरस्कार लेते परियोजना समन्वयक।

कृषि विश्वविद्यालय कोटा के निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. केएम गौतम ने बताया कि कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा ने खाद्य, दुग्ध प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, डेयरी फार्मिंग, युवाओं के कौशल विकास आदि में कार्य कर राष्ट्रीय स्तर पर केवीके ने पहचान बनाई है। कोटा देश का पहला कृषि विज्ञान केन्द्र है। जिसके सभी वैज्ञानिकों के पास 10 करोड़ के प्रोजेक्ट हैं। इनके माध्यम से जिले के सैंकड़ों कृषकों को प्रतिवर्ष नवोन्मेषी कृषि प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण किया जा रहा है।

1. पं. दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय कृषि विज्ञान पुरस्कार

कृषि विज्ञान केन्द्र कोटा को नवोन्मेषी कृषि प्रौद्योगिकी का जिले में हस्तानांतरण कर आय बढ़ोतरी के उल्लेखनीय कार्य पर पं. दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय कृषि विज्ञान प्रोत्साहन पुरस्कार 2016-17 दिया। जिसके तहत विवि को प्रशस्ति पत्र व 2.25 लाख का चेक दिया गया।

2. जगजीवन राम अभिनव किसान पुरस्कार

झालावाड़ जिले के प्रगतिशील किसान पूनमचंद पाटीदार को समन्वित कृषि प्रणाली में किए उल्लेखनीय कार्य के लिए जगजीवनराम अभिनव किसान पुरस्कार- 2016 से पुरस्कृत किया गया। इसके तहत किसान को प्रशस्ति पत्र के साथ 50 हजार रुपए का नकद पुरस्कार दिया गया।

3. बागवानी पर पुस्तक लेखन पर डॉ. राजेन्द्र प्रसाद पुरस्कार

विश्वविद्यालय के झालावाड़ उद्यानिकी वानिकी महाविद्यालय के प्रो. जितेन्द्र सिंह को आधारीय बागवानी हिन्दी भाषा में पुस्तक लेखन के लिए वर्ष 2016 का डॉ. राजेन्द्र प्रसाद पुरस्कार दिया गया। इसके तहत प्रशस्ति पत्र के साथ एक लाख का नगद पुरस्कार दिया गया।

सुविचार
जो चाहा वो मिल जाना कामयाबी है, जो मिला उसको चाहना असली खुशी है।

आप पढ़ रहे हैं देश का सबसे विश्वसनीय और नंबर 1 अखबार
दैनिक भास्कर
कुल पृष्ठ 16 राजस्थान मूल्य ₹ 4.50 | वर्ष 19, अंक 133, महानगर

बात पते की...
जिनमें सफलता के लिए आशा और आत्मविश्वास है वही उच्च शिखर पर पहुंचते हैं

dainikbhaskar.com | कोटा, मंगलवार, 18 जुलाई, 2017 | श्रावण, कृष्ण पक्ष-9, 2074 | 13 राज्य | 65 संस्करण

कृषि विवि को आईसीएआर ने 3 राष्ट्रीय पुरस्कारों से नवाजा

दिल्ली में हुए समारोह में किया सम्मान

कृषि विवि के कुलपति को सम्मानित करते केंद्रीय कृषि मंत्री।

कोटा| भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) का रविवार को दिल्ली में 89वां स्थापना दिवस मनाया गया। यहां केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री राधामोहन सिंह ने कोटा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी को तीन राष्ट्रीय पुरस्कारों से नवाजा।

मंत्री ने कृषि विज्ञान केंद्र बोरखेड़ा को नवोन्मेषी कृषि प्रौद्योगिकी का जिले में हस्तानांतरण कर जिले में कृषकों की आय में बढ़ोतरी के उल्लेखनीय कार्य के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय कृषि विज्ञान प्रोत्साहन पुरस्कार 2016-17 कुलपति प्रो. जीएल केशवा व वरिष्ठ वैज्ञानिक केंद्र के अध्यक्ष डॉ. महेंद्र सिंह को देकर सम्मानित किया। पुरस्कार के साथ मंत्री ने बोरखेड़ा कृषि विज्ञान केंद्र को प्रशस्ति पत्र के साथ 2.25 लाख रुपए दिए। ऐसे ही विश्वविद्यालय से जुड़े झालावाड़ जिले के प्रगतिशील कृषक पूनमचंद पाटीदार को कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए जगजीवन राम अभिनव किसान पुरस्कार 2016 से सम्मानित किया। किसान को प्रशस्ति पत्र व 50 हजार रुपए का नकद पुरस्कार दिया गया। विवि के झालावाड़ महाविद्यालय के प्रो. जीतेन्द्र सिंह को आधारीय बागवानी हिन्दी भाषा में पुस्तक लेखन के लिए वर्ष 2016 का डॉ. राजेन्द्र प्रसाद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्रशस्ति पत्र के साथ उन्हें एक लाख रुपए का नकद पुरस्कार दिया गया। डॉ. महेंद्र सिंह ने बताया कि कृषि विज्ञान केंद्र बोरखेड़ा द्वारा खाद्य, दुग्ध प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन, डेयरी फार्मिंग, बीज उत्पादन, युवाओं का कौशल विकास आदि क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान है। विवि के निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. केएम गौतम ने बताया कि बोरखेड़ा देश का पहला कृषि विज्ञान केन्द्र है, जिसके सभी वैज्ञानिकों के पास अलग-अलग करीब 10 करोड़ के भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली तथा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना द्वारा वित्त पोषित प्रोजेक्ट्स हैं। जिससे जिले के कृषकों को हर साल नवोन्मेषी कृषि प्रौद्योगिकी का हस्तानांतरण किया जा रहा है, जो कृषकों की आय बढ़ोतरी कर रहा है।

कोटा, जयपुर, जोधपुर, अजमेर और उदयपुर से प्रकाशित
@DailyNavajyoti @DainikNavajyotiNews feedback@dainiknavajyoti.com
नगर संस्करण प्रभात
वर्ष 80 | अंक 196
पृष्ठ संख्या 12
मूल्य 3.00
श्रावण, कृष्ण पक्ष, नवमी, संवत 2074
संस्थापक : स्व. कप्तान दुर्गाप्रसाद चौधरी
दैनिक नवज्योति
राष्ट्रीय
80
कोटा
मंगलवार, 18 जुलाई, 2017
dainiknavajyoti.com

नई दिल्ली में हुए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के स्थापना दिवस समारोह में मिला सम्मान, देश का पहला कृषि विवि जिसके पास 10 करोड़ के प्रोजेक्ट

नवज्योति/कोटा

नई दिल्ली में हुए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के स्थापना दिवस समारोह में केन्द्रीय कृषि व किसान कल्याण मंत्री राधामोहन सिंह ने कोटा कृषि विश्वविद्यालय को तीन राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा गया है। यह देश का पहला कृषि विज्ञान केन्द्र हैं जिसके पास करीब 10 करोड़ के प्रोजेक्ट हैं। कृषि विश्वविद्यालय कोटा के निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. केएम गौतम ने बताया कि कृषि विज्ञान केन्द्र कोटा द्वारा खाद्यए दुग्ध प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, डेयरी फार्मिंग, जलवायु समुत्थानशील कृषि तकनीक, बीज उत्पादनए युवाओं के कौशल विकास आदि में विकासात्मक कार्य कर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी केवीके की पहचान बनाई है।

किसान कल्याण मंत्री राधा मोहन ने दिया पुरस्कार

कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा को नवोन्मेशी कृषि प्रौद्योगिकी का जिले में हस्तानांतरण कर जिले में कृषकों की आय में बढोतरी के उल्लेखनीय कार्य हेतु पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय कृषि विज्ञान प्रोत्साहन पुरस्कार 2016-17 केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री राधामोहन सिंह 89वें स्थापना दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में दिया गया।

यह पुरस्कार कृषि विश्वविद्यालय कोटा के कुलपति डॉ. जी.एल. केशवा एवं केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र सिंह ने प्राप्त किया। इस पुरस्कार में केन्द्र को प्रशस्ति पत्र एवं 2.25 लाख रुपए प्रदान किये गये।

कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. जी.एल. केशवा ने बताया कि इस अवसर पर परिषद द्वारा विश्वविद्यालय से जुड़े झालावाड़ जिले के प्रगतिशील कृषक पुनमचंद पाटीदार को उनके समन्वित कृषि प्रणाली में किये गये उल्लेखनीय कार्यों के लिए जगजीवन राम अभिनव किसान पुरस्कार 2016 से सम्मानित किया गया है, पुरस्कार में प्रशस्ति पत्र के साथ 50 हजार रुपये का नगद पुरस्कार दिया गया है। विश्वविद्यालय के झालावाड़ महाविद्यालय के प्रो. जीतेन्द सिंह को आधारीय बागवानी हिन्दी भाषा में पुस्तक लेखन के लिए वर्ष 2016 का डॉ. राजेन्द्र प्रसाद पुरस्कार दिया गया है जिसमें प्रशस्ति पत्र के साथ एक लाख रूपये का नगद पुरस्कार दिया गया है।